बच्चों के लिए सड़क सुरक्षा शिक्षा

सुरक्षा जीवन का अर्थ है, सुरक्षा के बिना सब व्यर्थ है।

बच्चों में सीखने की जिज्ञासा ज्यादा होती है इसलिए उनको जितनी जल्दी हो सकें, सड़क सुरक्षा की शिक्षा देनी शुरू कर देनी चाहिए। माता पिता को चाहिए कि उनके सामने सही उदाहरण पेश करें एवं खुद भी सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें। आपको ऐसा करते देख वे खुद इन नियमों का पालन करना जल्दी सीख जाएंगे।

बच्चों को हर उम्र में यह शिक्षा दी जानी चाहिए। जैसे–जैसे बच्चें बड़े होते हैं, वे खुद निर्णय लेना शुरू कर देते हैं एवं सोचते हैं कि जो भी वो कर रहे हैं सही है। उनको यह जानने की जरूरत होती है कि सड़क सुरक्षा एक गंभीर विषय है एवं नियमों को तोड़ा नहीं जा सकता।

बच्चों को ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है क्योंकिः

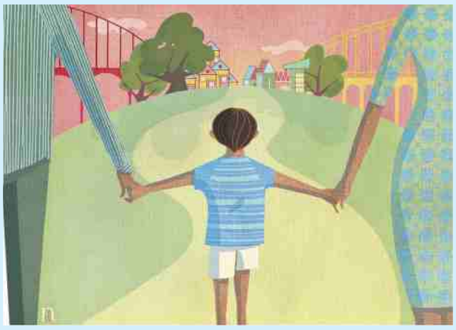

- वे जिज्ञासु, निडर व सहज प्रवृत्ति के होते हैं जो उन्हें दुर्घटना के प्रति असुरक्षित बनाता है।
- ज्यादातर बच्चों की दुर्घटनाएं उनके घर के आस–पास के क्षेत्र में होती है।
- जब बच्चें हाई स्कूल में जाते हैं तो खतरा और ज्यादा बढ़ जाता है।
- आवाज आने की दिशा का निर्णय नहीं ले पाते।
- कहां देखना है और क्या सुनना है नहीं जान पाते।
- वे स्वतन्त्र रहना चाहते हैं।
- वे जल्दी भ्रमित हो सकते हैं।
- उनकी अधिकांश हरकतें अप्रत्याशित होती हैं।

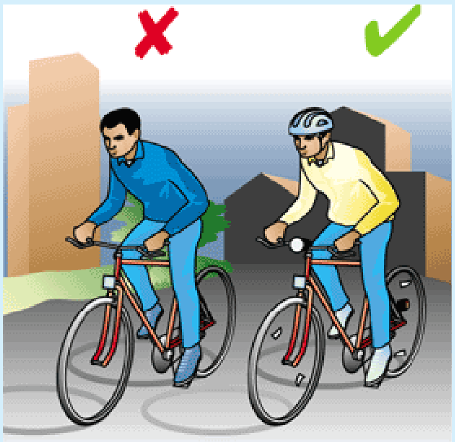

उपाय

- बच्चें जिस तरीके से समझते हैं, उसी तरह से उन्हें समझायें।
- कम ट्रैफिक में उन्हें सड़क सुरक्षा सिखाने की शुरूआत करें।
- उन्हें अकेले सड़क पार करने देने से पहले उन पर नजर रखें व उन्हें पहले जाँच लें।
- भीड़ भाड़ वाली सड़कें पार करवाने का उनके साथ कई बार अभ्यास करें।
- सड़क पर गलती करने वाले लोगों के बारे में उन्हें बताये व समझाए किस प्रकार एक गलती खतरनाक हो सकती है।
- बच्चों के आने–जाने के मार्ग के बारे में पता करें व उनसे चर्चा करें कि किस तरह वे मुश्किल ट्रैफिक का सामना करते हैं।
- नियमों को समझना व उनका पालन करने की महत्ता के बारे में उन्हें बतायें।
- सड़क पर हमेशा उनका हाथ पकड़ कर चलें।
- सड़क सुरक्षा के बारे में बताने का हर मौका तलाशे।

चलते समय

- अगर सड़क पर फुटपाथ न हो तो सड़क के दायी ओर चलें जिससे आप सामने से आने वाले ट्रैफिक को देख पाए।
- मोड़ पर या ज्यादा ट्रैफिक होने पर एक के पीछे एक होकर चलें।
- अगर आगे की सड़क साफ नजर नहीं आ रही हो तो ज्यादा सावधान रहें।
- जब साईकिल, रिक्शा या बैलगाड़ी आ रहे हो तो ज्यादा सावधान रहें। वे धीरे चलते हुए लगते हैं मगर उनके ब्रेकिंग सिस्टम ज्यादा प्रभावी नहीं होते हैं।
- अगर आपके साथ कोई छोटा बच्चा हो तो हाथ पकड़कर चलें।
- फुटपाथ के बीच में ही चलने की कोशिश करें। कोई अचानक अपने वाहन का गेट खोल सकता है।
- अगर सड़क के दूसरी ओर कोई बुलाए तो अचानक भाग कर नहीं जाये, ट्रैफिक का ध्यान रखें।
- सड़क पर दोस्तों को कुछ गलत या खतरनाक करने के लिए न उकसाए।
- सड़क को खेलने का मैदान न समझे।
- रात के समय चलते समय चमकीले कपड़े पहने।
- खराब मौसम में बाहर जाने से बचे।

सड़क पार कैसे करें

- सबसे पहले पार करने के लिए कोई सुरक्षित जगह ढूंढ़े फिर रूके। अगर उपलब्ध हो तो सड़क जेबरा क्रॉसिंग से ही पार करें। अगर न हो तो ऐसी जगह पर खड़े हो जहां से सड़क की सभी दिशाओं का ट्रैफिक नजर आता हो व अन्य वाहन चालक आपको साफ देख सकें।
- मोड़ पर कभी सड़क पार नहीं करें।
- सड़क के किनारे से या फुटपाथ के किनारे से कुछ दूरी पर खड़े रह कर सही समय का इंतजार करें।
- दायीं और बायीं ओर लगातार देखते रहें व वाहनों की आवाज सुनें।
- सुरक्षित स्थिति होने पर ही लगातार देखते हुए सड़क पार करें।

CUTS International
कन्ज्यूमर यूनिटी एण्ड ट्रस्ट सोसायटी
डी-217, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर-302016
फोन: 0141-228 2821, फैक्स: 0141-228 2485
ई-मेल: cuts@cuts.org, cart@cuts.org
वेबसाईट: www.cuts-international.org